सीएसआईआर-सीरी, जयपुर परिसर में
राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस 2026 का भव्य आयोजन

सीएसआईआर–केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान के जयपुर परिसर में 11 मई 2026 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस भव्य एवं गरिमामयी रूप से आयोजित किया गया। इस अवसर पर **राजस्थान के माननीय राज्यपाल श्री हरिभाऊ किसनराव बागडे मुख्य अतिथि** थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया ने की। इस अवसर पर विज्ञान भारती – राजस्थान के सचिव डॉ मेघेन्द्र शर्मा सहित अनेक गणमान्य अतिथि, वैज्ञानिक, शिक्षाविद्, उद्योग जगत के प्रतिनिधि, शोधार्थी तथा मीडियाकर्मी उपस्थित थे।

दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ करते हुए
माननीय राज्यपाल श्री हरिभाऊ किसनराव बागडे जी

समारोह का शुभारंभ पारंपरिक रूप से **दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना** के साथ हुआ। मुख्य अतिथि माननीय राज्यपाल **श्री हरिभाऊ बागडे** जी ने अपने प्रेरक संबोधन में उपस्थित अतिथियों, शोधार्थियों आदि को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए इस दिवस को मनाए जाने की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला। उन्होंने विज्ञान और प्रौद्योगिकी को किसी भी राष्ट्र की प्रगति के मूल आधार बताते हुए कहा कि भारत की प्राचीन वैज्ञानिक परंपरा अत्यंत समृद्ध रही है और आज आवश्यकता इस बात की है कि हम आधुनिक विज्ञान को अपनी पारंपरिक ज्ञान प्रणाली के साथ समन्वित करते हुए आगे बढ़ें। देश के वैज्ञानिक विकास की यात्रा को रेखांकित करते हुए अपने संक्षिप्त संबोधन में उन्होंने कहा कि देश को आत्मनिर्भर और तकनीकी रूप से सक्षम बनाने की दिशा में हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि माननीय राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे जी

सीएसआईआर-सीरी द्वारा विकसित स्वदेशी तकनीकों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे संस्थान राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नवाचार, अनुसंधान और स्वदेशी तकनीकी विकास ही विकसित भारत की दिशा में सबसे बड़ा आधार बन सकते हैं। उन्होंने युवाओं को विज्ञान एवं अनुसंधान के क्षेत्र में भी अपनी अग्रणी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित भी किया।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस समारोह में अध्यक्षीय संबोधन देते हुए
डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए **डॉ. पी. सी. पंचारिया**, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी ने राज्यपाल महोदय सहित सभी उपस्थित अतिथियों का औपचारिक स्वागत किया। उन्होंने संस्थान की प्रमुख उपलब्धियों, अनुसंधान गतिविधियों तथा अत्याधुनिक स्वदेशी प्रौद्योगिकियों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत

करते हुए बताया कि सीएसआईआर-सीरी निरंतर इलेक्ट्रॉनिकी, सेमीकंडक्टर, सेंसर, रक्षा तकनीक, स्वास्थ्य उपकरण, औद्योगिक स्वचालन तथा एआई सहित अन्य नवीन तकनीकी क्षेत्रों में शोधकार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि संस्थान "आत्मनिर्भर भारत" के लक्ष्य को साकार करने के लिए सतत प्रयासरत है।

समारोह में संबोधित करते हुए डॉ मेघेन्द्र शर्मा,
सचिव, विज्ञान भारती-राजस्थान

विज्ञान भारती–राजस्थान के सचिव **डॉ. मेघेन्द्र शर्मा** ने भी इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि देश के समग्र विकास के लिए शिक्षा, उद्योग और शोध संस्थानों के समन्वित प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि इन तीनों क्षेत्रों के समन्वित सहयोग से भारत की तीव्र तकनीकी प्रगति सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि इसी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए विज्ञान भारती शिक्षा, उद्योग और शोध संस्थानों के बीच सेतु की भूमिका निभा रहा है।

स्मारिका एवं पोस्टर का विमोचन

इस अवसर पर माननीय राज्यपाल महोदय ने विज्ञान भारती द्वारा प्रकाशित **"राजस्थान विज्ञान महोत्सव"** स्मारिका तथा **"विद्यार्थी विज्ञान मंथन"** पोस्टर का विमोचन भी किया।

'राजस्थान विज्ञान महोत्सव' स्मारिका एवं 'विद्यार्थी विज्ञान मंथन' पोस्टर
का विमोचन करते हुए राज्यपाल महोदय एवं अतिथिगण

प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी

समारोह के दौरान माननीय राज्यपाल महोदय एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों ने सीएसआईआर-सीरी द्वारा विकसित अत्याधुनिक स्वदेशी प्रौद्योगिकियों की विशेष प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इस प्रदर्शनी में संस्थान की अनुसंधान क्षमता, नवाचार, तकनीकी दक्षता तथा उद्योगोन्मुख समाधानों का प्रभावशाली प्रदर्शन किया गया। डॉ पी सी पंचारिया ने राज्यपाल महोदय को संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों से अवगत कराया। राज्यपाल महोदय एवं अन्य अतिथियों ने संस्थान की शोध गतिविधियों की सराहना की।

प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए राज्यपाल महोदय

राज्यपाल महोदय को संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित प्रौद्योगिकी की जानकारी देते हुए डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ नीरज कुमार, वैज्ञानिक-एफ

कार्यक्रम का संचालन करते हुए **डॉ नीरज कुमार,** वैज्ञानिक-एफ ने राज्यपाल महोदय सहित सभी अतिथियों का स्वागत किया।

पेनल परिचर्चा के उपरांत समूह फोटोग्राफ

पेनल परिचर्चा

कार्यक्रम के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण पैनल चर्चा सत्र का भी आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों, उद्योग जगत तथा शोध संगठनों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। इस परिचर्चा में राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय (RTU) के कुलपति प्रो. नमित रंजन चौधरी बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय (BTU) के कुलपति प्रो. अखिल रंजन गर्ग, राजस्थान पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (RUVAS) के कुलपति प्रो. त्रिभुवन शर्मा, सेमिकंडक्टर लि. (SCL) के महानिदेशक डॉ कमलजीत सिंह तथा राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान (RARI) के निदेशक डॉ सुरेन्द्र सिंह, तथा सीएसआईआर-सीरी के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों व उद्योग जगत के प्रतिनिधि सम्मिलित हुए। विज्ञान भारती-राजस्थान के सचिव डॉ मेघेन्द्र शर्मा परिचर्चा के संयोजक (मॉडरेटर) थे। परिचर्चा का मुख्य विषय विज्ञान, तकनीकी नवाचार, उद्योग–शिक्षा समन्वय तथा भविष्य की अनुसंधान संभावनाएँ रहीं। प्रतिभागियों ने राजस्थान प्रदेश तथा राष्ट्र के वैज्ञानिक विकास को गति देने हेतु सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। पेनल परिचर्चा के आरंभ में डॉ विजय चटर्जी, वैज्ञानिक-ई ने वक्ताओं का औपचारिक परिचय दिया। अंत में संस्थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया ने सभी पेनल वक्ताओं एवं अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए औपचारिक धन्यवाद ज्ञापित किया।

सीएसआईआर-सीरी, जयपुर परिसर में आयोजित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का यह आयोजन न केवल वैज्ञानिक उपलब्धियों का उत्सव था, बल्कि यह भारत के तकनीकी भविष्य, नवाचार की शक्ति तथा आत्मनिर्भर राष्ट्र निर्माण के संकल्प का भी सशक्त प्रतीक बना।